आज का पुरुषार्थ 4 Oct 2022

Source: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *"हमें अब संसार के तमोप्रधानता के अंधकार को समाप्त करना है .. तो स्वयं में दृढ़ता भरे .. और .. पवित्रता की शक्ति को बढ़ाते चले "*

हम सभी भगवान के बच्चे दृढ़ **संकल्प** धारी है। क्युंकि हमारे पास ही सबसे ज्यादा **मन की शक्ति है मनोबल, Will Power।** इतना ही नहीं, हमारे पास तो परमात्मा का भी will-power है।

हम ही यदि दृढ़संकल्प धारी नहीं होंगे तो भला और कौन होगा। तो अपनी सभी **धारणाओं** को जीवन में अपनाने के लिए सच्चे मन से **दृढ़ संकल्प** रखना है। धरत परिये धर्म ना छोड़िये ये कहावत है। **पवित्रता** हमारा पहला धर्म है।

कुछ भी हो जाये, कैसे भी करके हमें इसको अपनाना ही है। और **सम्पूर्णता** की ओर ले चलना है। ताकि हमारे powerful vibrations संसार को बहुत सुख दे सके। **संसार के अंधकार को समाप्त कर सके।**

अपने जीवन में कुछ और **धारणायें** भी अपना ले। जैसे मुझे **निर्मोही** बनना है। मुझे व्यर्थ की इच्छाओं का त्याग करना है। मुझे इस जीवन में **संतुष्ट** रहना है। मुझे मान की कामना से परे चलना है।

यह बहुत सुन्दर धारणायें है। जो हमारे **अलौकिक जीवन** का श्रृंगार है। जो हमें महान बनाती है, सेवाओं के फ़ील्ड में सफल कराती है।

तो आइये हम सभी अपने से **दृढ़ प्रतिज्ञा करें** हमारी प्योरीटी जो भगवान के आदेश पर हमने अपनाई है इसे कोई नष्ट नहीं कर सकता। और इसके लिए बहुत अच्छी साधनायें रखे।

स्वमान की साधना →

" मैं पवित्रता का सूर्य हूँ "

.. बहुत अच्छा संकल्प है

हमसे पवित्र किरणें गोल्डेन रंग की चारों ओर फैलती है। जब हमारी purity perfect हो जाती है तब हमारी यह किरणें सम्पूर्ण रूप से श्वेत हो जाती है, सफेद।

यह हम अभ्यास करते रहे। साथ में जिस विशेष अभ्यास की **सम्पूर्ण प्योरीटी** के लिए हमको जरूरत पड़ती है वह है आत्मिक दृष्टि। यह देह का आकर्षण सचमुच सबसे भयावह है योगियों के मार्ग पर।

परन्तु हमें इस आकर्षण से स्वयं को परे करना है। इसलिए सभी के मस्तक में चमकती हुई ज्योति को निहारें। साथ में चिन्तन करें।

यह देह, यह तो बहुत तमोप्रधान है। **तमोप्रधान प्रकृति** से बना हुआ है। इस देह के साथ तो जन्म जन्म हम खेलते रहे। लेकिन अब यह खेल पूर्ण हुआ। अब हमें अलौकिक रूप धारण करना है। अब हमें भगवान की श्रेष्ठ इच्छाओं पर चलना है।

इसलिये हमे अपनी जीवन में असली **सौन्दर्य धारण करना है** और वो है सदगुणो का सौन्दर्य। वो है श्रेष्ठ धारणाओं का सौन्दर्य। इस सुन्दरता के आगे हृदय की सुन्दरता फीकी पड़ जाती है।

तो आइये हम अपने **श्रेष्ठ धारणाओं** के लिए दृढ़ संकल्प धारी बने। हमारी प्योरिटी इस संसार के लिए बहुत बड़ा वरदान सिद्ध होनी जा रही है। हमारी

धारणायें हमारा **धारणा स्वरूप जीवन** हमारे चेहरे पर चमकते हुए तेज संसार के आत्माओं को मंजिल दिखायेगा।

तो आज सारा दिन →

" मैं पवित्रता का सूर्य हूँ "

... यह अभ्यास करते हुए .. सबको आत्मिक दृष्टि से देखते हुए पवित्र वायब्रेशन्स देते चलेंगे। और ..

" हमसे निरन्तर अखंड रुप से चारो ओर पवित्रता की किरने फैलती रहे "

.. यह सुन्दर **अभ्यास** का आनन्द आज सारा दिन लेना है।

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org